न्यायालय कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, सलूम्बर जिला सलूम्बर (राज.)

पीठासीन अधिकारी –जसगीत सिंह संधू (आई.ए.एस.)

प्रकरण संख्याः 09/2024/सरफैसी (जी.सी.एम.एस–2024/9)

ए.यु. स्मॉल फाईनेन्स, बैंक लिमिटेड, कार्यालय 19–ए, धुलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड जयपुर राजस्थान 302001 जरिये प्राधिकृत अधिकारी संदीप पारीख।

.....प्रार्थी

बनाम

1 श्री जसविन्दर सिंह पिता श्री विक्रम सिंह निवासी– गांव आंजनी तहसील लसाडिया जिला सलूम्बर (राज.),
2 श्री लक्ष्मण सिंह पिता श्री विक्रम सिंह निवासी–मकान न. 48 गावं रामपुरा पातापडी तहसील बागली जिला देवास (म.प्र),
3 श्रीमती बना कुंवर पत्नि श्री विक्रम सिंह निवासी– गांव आंजनी तहसील लसाडिया जिला सलूम्बर (राज.),
4 श्री विक्रम सिंह पिता श्री दुले सिंह निवासी–आंजनी तहसील लसाडिया जिला सलूम्बर (राज.),
5 श्री दुर्गेश सिंह पिता श्री केसर सिंह निवासी– गांव आंजनी, तहसील लसाडिया जिला सलूम्बर (राज.)।

.....ऋणी/अप्रार्थीगण

प्रार्थना–पत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण, पुनर्गठन ओर प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002

आदेश

दिनांकः 12.06.2024

प्रार्थी की ओर से एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तिय सम्पत्तियों की प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत अप्रार्थीगण के विरूद्ध पेश किया।

प्रकरण में संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है कि प्रार्थी बैंक/वित्तीय कम्पनी द्वारा अप्रार्थीगण को राशि 15,00,000/– रूपये की ऋण सुविधा उपलब्ध करवायी गई तथा पुनः भुगतान हेतु अप्रार्थीगण की जायदाद(सम्पति–श्री विक्रम सिंह पिता दुले सिंह, पट्टा संख्या–6102 दिनांक 20.02.2010,गांव आंजनी, ग्राम पंचायत आंजनी पंचायत समिति –लसाडिया, तहसील लसाडिया जिला सलूम्बर (राज.) आवासिय प्लॉट) को प्रार्थी बैंक/कम्पनी के पक्ष में रहन/हाईपोथिकेशन कर दिया। अप्रार्थीगण द्वारा नियमित रूप से प्रार्थी बैंक/कम्पनी को ऋण का भुगतान करने में असफल रहने पर प्रार्थी द्वारा ऋण राशि मय ब्याज के अदा करने हेतु उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अन्तर्गत अप्रार्थीगण के नाम से नोटिस जारी किये गये। अतः नोटिस प्राप्ति/सूचना के पश्चात भी अप्रार्थीगण द्वारा ऋण राशि मय ब्याज दिनांक 12.02.2024 तक

जिला कलक्टर
सलूम्बर (राज.)

15,16,516/–रूपये भुगतान नहीं करने पर प्रार्थी बैंक/कम्पनी ने अप्रार्थीगण के द्वारा बतौर जमानत रहन/ हाईपोथिकेशन रखी गई सम्पत्ति का कब्जा प्रार्थी बैंक को सम्भलाने हेतु यह प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया तथा प्रार्थी को भी सुना। प्रार्थी बैंक/वित्तीय कम्पनी द्वारा अप्रार्थीगण को राशि रूपये 15,00,000/–रूपये की ऋण सुविधा प्रदान की है तथा अप्रार्थीगण बतौर प्रतिभूति उक्त जायदाद प्रार्थी के पक्ष में रहन रखी एवं अप्रार्थीगण से दिनांक 12.02.2024 तक 15,16,516/–रूपये वसूल किये जाने हैं। "दी सिक्योरिटाईजेशन एण्ड रीकन्स्ट्रक्शन ऑफ फाईनेन्सियल एसेट्स एण्ड एनफोर्समेन्ट ऑफ सिक्योरिटी इन्ट्रस्ट (सेकण्ड) एक्ट, 2002" की धारा 14 में उक्त रहन रखी गई सम्पत्ति को प्रार्थी बैंक/कम्पनी को कब्जे में दिलाये जाने का स्पष्ट प्रावधान हैं एवं इस स्तर पर विचाराधीन हस्तगत कार्यवाही में अप्रार्थीगण/ऋणीयो को अन्य तथ्यो के संबंध में सूने जाने या नये तथ्यों के निस्तारण के संबंध में कोई वैधानिक क्षेत्राधिकारीता इस न्यायालय में निहीत न होने के कारण प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना उचित हैं।

अतः उपरोक्त तथ्यों के सन्दर्भ में प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर अप्रार्थीगण द्वारा प्रार्थी बैंक/कम्पनी के पक्ष में प्रतिभूति के रूप में रखी गई उक्त अपनी जायदाद (सम्पति–श्री विक्रम सिंह पिता दुले सिंह, पट्टा संख्या–6102 दिनांक 20.02.2010, गांव आंजनी, ग्राम पंचायत आंजनी पंचायत समिति –लसाडिया, तहसील लसाडिया जिला सलूम्बर (राज.) आवासिय प्लॉट) का कब्जा अप्रार्थीगण से प्राप्त कर जरिये संबंधित पुलिस, प्रार्थी को सम्भलाये जाने का आदेश दिया जाता हैं।

निर्णय की प्रति जिला पुलिस अधीक्षक, सलूम्बर को प्रेषित करते हुए लिखा जावें कि बंधक सम्पत्ति का कब्जा प्राप्त करते समय प्रार्थी बैंक/कम्पनी को उनकी मांग अनुसार पुलिस बल उपलब्ध करावें।

पत्रावली फैसल शुमार होकर बाद कार्यवाही दाखिल दफ्तर हों।

न्यायालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट * सलूम्बर (राज.) *

(जसमीत सिंह संधू)
कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट,
सलूम्बर